

Code: A-H337121-A

I Semester Exam – 2022-23

7 x 340

Std.: XII

Sub: HINDI

Marks: 80

Date: 18/11/2022

Roll No.: _____

Time: 3 Hrs.

* कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

- १) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
- २) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए।
- ३) सभी आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।
- ४) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

विभाग - १ गद्य

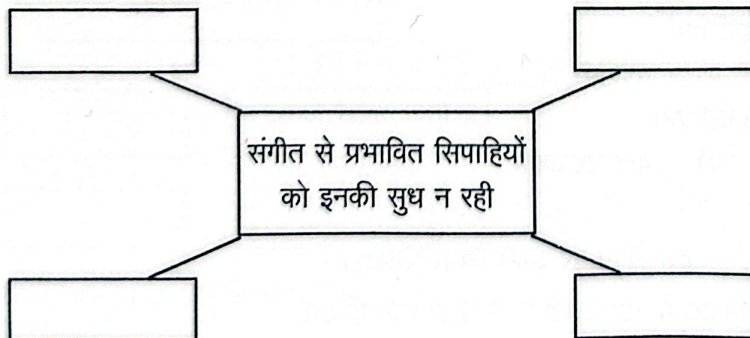
कृति १अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

कुछ दिन बाद एक सुंदर नवयुवक साधु आगरे के बाजारों में गाता हुआ जा रहा था। लोगों ने समझा, इसकी भी मौत आ गई है। वे उठे कि उसे नगर की रीति की सूचना दे दें, मगर निकट पहुँचने से पहले ही मुग्ध होकर अपने-आपको भूल गए और किसी को साहस न हुआ कि उससे कुछ कहे। दम-के-दम में यह समाचार नगर में जंगल की आग के समान फैल गया कि एक साधु रागी आया है, जो बाजारों में गा रहा है। सिपाहियों ने हथकड़ियाँ सँभालीं और पकड़ने के लिए साधु की ओर दौड़े परंतु पास आना था कि रंग पलट गया। साधु के मुखमंडल से तेज की किरणें फूट रही थीं, जिनमें जादू था, मोहिनी थी और मुग्ध करने की शक्ति थी। सिपाहियों को न अपनी सुध रही, न हथकड़ियों की, न अपने बल की, न अपने कर्तव्य की, न बादशाह की, न बादशाह के हुक्म की। वे आश्चर्य से उसके मुख की ओर देखने लगे, जहाँ सरस्वती का वास था और जहाँ से संगीत की मधुर ध्वनि की धारा बह रही थी। साधु मस्त था, सुनने वाले मस्त थे। जमीन-आसमान मस्त थे। गाते-गाते साधु धीरे-धीरे चलता जाता था और श्रोताओं का समूह भी धीरे-धीरे चलता जाता था। ऐसा मालूम होता था, जैसे एक समुद्र है जिसे नवयुवक साधु आवाजों की जंजीरों से खींच रहा है और संकेत से अपने साथ-साथ आने की प्रेरणा कर रहा है।

मुग्ध जनसमुदाय चलता गया, चलता गया, चलता गया। पता नहीं किधर को? पता नहीं कितनी देर? एकाएक गाना बंद हो गया। जादू का प्रभाव टूटा तो लोगों ने देखा कि वे तानसेन के महल के सामने खड़े हैं। उन्होंने दुख और पश्चात्ताप से हाथ मले और सोचा- यह हम कहाँ आ गए? साधु अज्ञान में ही मौत के द्वार पर आ पहुँचा था। भोली-भाली चिड़िया अपने-आप अजगर के मुँह में आ फँसी थी और अजगर के दिल में जरा भी दया न थी।

१) संजाल पूर्ण कीजिए।

2



२) उपर्युक्त गद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए।

2

- १) २)
- ३) ४)

(पिछे देखो)

३) स्वमत: -

2

‘अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है’ इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

सूरज और जुगनू का मुकाबला ही क्या? आज से पहले उन्होंने जुगनू देखे थे। आज उन्होंने सूरज देख लिया था। बहुत चेष्टा करने पर भी जब कोई हरिण न आया तो तानसेन की आँखों के सामने मौत नाचने लगी। देह पसीना-पसीना हो गई। लज्जा ने मुखमंडल लाल कर दिया था। आखिर खिसियाता होकर बोला- “वे हरिण अचानक इधर आ निकले थे, राग की तासीर से न आए थे। हिम्मत है तो अब दोबारा बुलाकर दिखाओ।”

बैजू बावरा मुस्कराया और धीरे से बोला- “बहुत अच्छा! दोबारा बुलाकर दिखा देता हूँ।”

यह कहकर उसने फिर सितार पकड़ ली। एक बार फिर संगीतलहरी वायुमंडल में लहराने लगी। फिर सुनने वाले संगीतसागर की तरंगों में डूबने लगे, हरिण बैजू बावरा के पास फिर आए; वे ही हरिण जिनकी गरदन में फूलमालाएँ पड़ी हुई थीं और जो राग की सुरीली ध्वनि के जादू से बुलाए गए थे। बैजू बावरा ने मालाएँ उतार लीं और हरिण कूदते हुए जिधर से आए थे, उधर को चले गए।

अकबर का तानसेन के प्रति अगाध प्रेम था। उसकी मृत्यु निकट देखी तो उनका कंठ भर आया परंतु प्रतिज्ञा हो चुकी थी। वे विवश होकर उठे और संक्षेप में निर्णय सुना दिया- “बैजू बावरा जीत गया, तानसेन हार गया। अब तानसेन की जान बैजू बावरा के हाथ में है।”

तानसेन काँपता हुआ उठा, काँपता हुआ आगे बढ़ा और काँपता हुआ बैजू बावरा के पाँव में गिर पड़ा। वह जिसने अपने जीवन में किसी पर दया न की थी, इस समय दया के लिए गिड़गिड़ा रहा था और कह रहा था- “मेरे प्राण न लो!”

बैजू बावरा ने कहा- “मुझे तुम्हारे प्राण लेने की चाह नहीं। तुम इस निष्ठुर नियम को उड़वा दो कि जो कोई आगरे की सीमाओं के अंदर आए, अगर तानसेन के जोड़ का न हो तो मरवा दिया जाए।”

अकबर ने अधीर होकर कहा- “यह नियम अभी, इसी क्षण से उड़ा दिया गया।” तानसेन बैजू बावरा के चरणों में गिर गया और दीनता से कहने लगा- “मैं यह उपकार जीवन भर न भूलूँगा।”

बैजू बावरा ने जवाब दिया- “बारह बरस पहले की बात है, आपने एक बच्चे की जान बख्शी थी। आज उस बच्चे ने आपकी जान बख्शी है।” तानसेन हैरान होकर देखने लगा। फिर थोड़ी देर बाद उसे पुरानी, एक भूली हुई, एक धुँधली-सी बात याद आ गई।

१) तालिका पूर्ण कीजिए।

2

अकबर का निर्णय सुनकर तानसेन ने यह किया -	→	_____
	→	_____
	→	_____
	→	_____

२) i) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए।

1

१) हरिण - २) बच्चा -

ii) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए।

1

१) जान बख्शना - २) कंठ भर आना -

३) स्वमत: -

2

‘मनुष्य जीवन में अहिंसा का महत्व’ - इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए। (किन्हीं दो)

6

१) ‘सच्चा कलाकार वह होता है जो दूसरों की कला का सम्मान करता है’ इस कथन को ‘आदर्श बदला’ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

२) ‘आदर्श बदला’ कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

३) “बैजू बावरा संगीत का सच्चा पूजारी है” इस विचार को स्पष्ट कीजिए।

- ई) निम्नलिखित प्रश्नों का एक-एक वाक्यों में उत्तर लिखिए। (किन्हीं दो) 2
- १) बदरीनाथ का साहित्यिक नाम लिखिए।
- २) सुदर्शन ने इस लेखक की लेखन परंपरा को आगे बढ़ाया है।
- ३) कहानी विधा की विशेषताएँ लिखिए।

विभाग - २ पद्य

कृति २अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

जिसको मंजिल का पता रहता है,
पथ के संकट को वही सहता है।
एक दिन सिद्धि के शिखर पर बैठ,
अपना इतिहास वही कहता है।

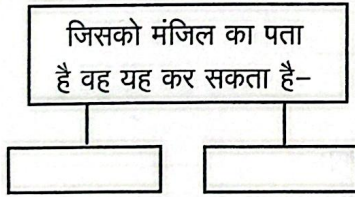
प्रीति की राह पर चले आओ,
नीति की राह पर चले आओ।
वह तुम्हारी ही नहीं, सबकी है,
गीति की राह पर चले आओ।

साथ निकलेंगे आज नर-नारी,
लेंगे काँटों का ताज नर-नारी।
दोनों संगी हैं और सहचर हैं,
अब रचेंगे समाज नर-नारी।

वर्तमान बोला, अतीत अच्छा था,
प्राण के पथ का मीत अच्छा था।
गीत मेरा भविष्य गाएगा,
यों अतीत का भी गीत अच्छा था।

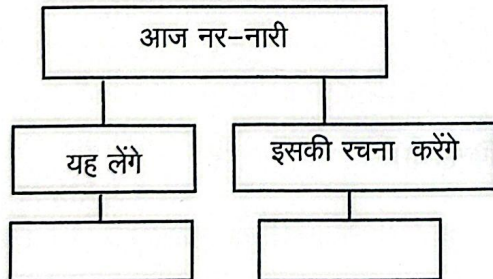
१) कृति पूर्ण कीजिए।

i)



1

ii)



1

२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानिए।

2

- १) सिद्धि - ...
२) इतिहास - ...
३) मंजिल - ...
४) पथ - ...

(पिछे देखो)

३) स्वमत: -

2

'समाज का नवनिर्माण और विकास नर-नारी के सहयोग से ही संभव है' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

कछु कहि नीच न छेड़िए, भलो न वाको संग ।
पाथर डारै कीच में, उछरि बिगारै अंग ॥
जो पावै अति उच्च पद, ताको पतन निदान ।
ज्यों तपि-तपि मध्याह्न लौं, अस्त होतु है भान ॥
जो जाको गुन जानही, सो तिहि आदर देत ।
कोकिल अंबहि लेत है, काग निबौरी लेत ॥
आप अकारज आपनो, करत कुबुध के साथ ।
पाय कुल्हाड़ी आपने, मारत मूरख हाथ ॥
कुल कपूत जान्यो परै, लखि सुभ लच्छन गात ।
होनहार बिरवान के, होत चीकने पात ॥

१) उत्तर लिखिए।

2

- सूर्य इस समय तपता है -
- निबौरियों का आदर करनेवाला -
- पद्यांश में प्रयुक्त लकड़ी काटने का एक औजार -
- चिकने पात इसके होते हैं -

२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए।

2

- पाथर -
- भान - ...ज्ञान...
- कोकिल -
- गात - ...गीत...

३) स्वमत: -

2

'ज्ञान की पूँजी बढ़ानी चाहिए' - इस विषय पर अपना मत लिखिए।

इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'गुरुबानी' कविता का रसास्वादन कीजिए।

- रचनाकार का नाम
- पसंद की पंक्तियाँ
- पंक्तियाँ पसंद आने का कारण
- कविता की केंद्रीय कल्पना

1

1

2

2

ई) निम्नलिखित प्रश्नों का एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (किन्हीं दो)

2

- गुरु नानक जी की रचनाओं के नाम लिखिए।
- दोहा छंद की विशेषता लिखिए।
- त्रिलोचन जी के दो काव्य संग्रहों के नाम लिखिए।

विभाग - ३ विशेष अध्ययन

कृति ३अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

सेतु : मैं

नीचे की घाटी से
ऊपर के शिखरों पर

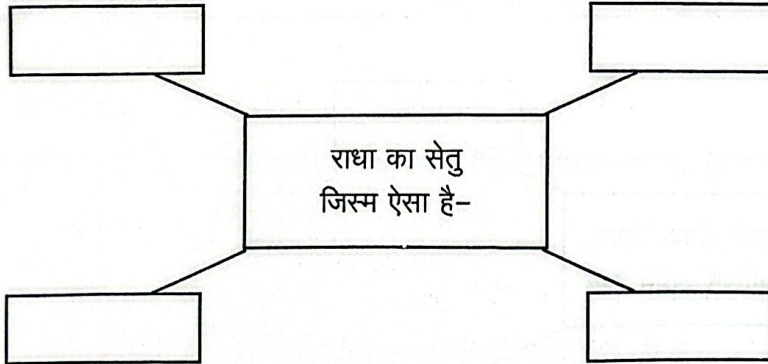
जिसको जाना था वह चला गया-
हाय मुझी पर पग रख
मेरी बाँहों से
इतिहास तुम्हें ले गया !

सुनो कनु, सुनो
क्या मैं सिर्फ एक सेतु थी तुम्हारे लिए
लीलाभूमि और युद्धक्षेत्र के
अलंघ्य अंतराल में !

अब इन सूने शिखरों, मृत्यु घाटियों में बने
सोने के पतले गुँथे तारोंवाले पुल-सा
निर्जन
निरर्थक
काँपता-सा, यहाँ छूट गया-मेरा यह सेतु जिस्म
-जिसको जाना था वह चला गया

१) संजाल पूर्ण कीजिए।

2



२) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानिए।

2

- १) शिखरों - ...
२) घाटी - ...
३) बाँह - ...
४) लीलाएँ - ...

३) स्वमतः -

2

'वृक्ष की उपयोगिता' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए।

4

- १) कनुप्रिया की दृष्टि से जीवन की सार्थकता बताइए।
२) 'कवि ने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा को शब्दबद्ध किया है' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(पिछे देखो)

विभाग - ४ (व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश, पारिभाषिक शब्दावली)

कृति ४अ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए।

6

- १) लता मंगेशकर पर फीचर लेखन कीजिए।
- २) "लालच का फल बुरा होता है" इस उक्ति का विचार पल्लवन कीजिए।

आ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए।

4

- १) फीचर लेखन करते समय बरती जानेवाली सावधानियों पर प्रकाश डालिए।
- २) पल्लवन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

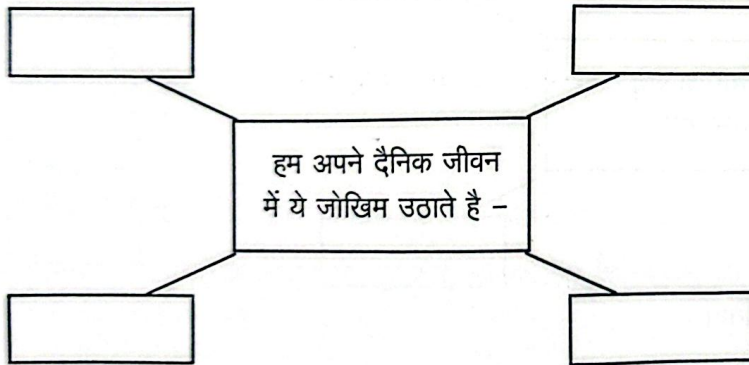
इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

हम रसायनों के युग में रह रहे हैं। हमारे पर्यावरण की सारी वस्तुएँ और हम सब, रासायनिक यौगिकों के बने हुए हैं। हवा, मिट्टी, पानी, खाना, वनस्पति और जीव-जंतु ये सब अजूबे जीवन की रासायनिक सच्चाई ने पैदा किए हैं। प्रकृति में सैकड़ों-हजारों रासायनिक पदार्थ हैं। रसायन न होते तो धरती पर जीवन भी नहीं होता। पानी, जो जीवन का आधार है, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से बना एक रासायनिक यौगिक है। मधुर-मीठी चीनी कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से बनी है। कोयला और तेल बीमारियों से मुक्ति दिलाने वाली औषधियाँ, एंटीबायोटिक्स, एस्प्रीन और पेनिसिलीन, अनाज, सब्जियाँ, फल और मेवे सभी तो रसायन हैं।

जीवन जोखिम से भरा है, गुफा-मानव ने जब भी आग जलाई, उसने जल जाने का खतरा उठाया। जीवन-यापन के आधुनिक तरीकों में कुछ खतरों को कम किया है, पर कुछ खतरे अनेक गुना बढ़ गए हैं। ये खतरे नुकसान और शारीरिक चोट के रूप में हैं। हम सभी अपने दैनिक जीवन में जोखिम उठाते हैं। जैसे जब हम सड़क पार करते हैं, स्टोव जलाते हैं, कार में बैठते हैं, खेलते हैं, पालतू जानवरों को दुलारते हैं, घरेलू काम-काज करते हैं या केवल पेड़ के नीचे बैठे होते हैं, तो हम जोखिम उठा रहे होते हैं। इन जोखिमों में से कुछ तात्कालिक हैं, जैसे जलने का, गिरने का या अपने ऊपर कुछ गिर जाने का खतरा।

१) आकृति पूर्ण कीजिए।

2



२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानिए।

2

- १) रसायन - पुंलिंग
- २) वस्तु - पुंलिंग
- ३) धरती - स्त्रीलिंग
- ४) तेल - पुंलिंग

३) स्वमतः -

2

'ध्वनि प्रदूषण' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पारिभाषिक शब्दों के लिए हिंदी शब्द लिखिए।

4

- १) WARNING
- २) REGISTRATION
- ३) INTERNAL
- ४) ELIGIBILITY
- ५) DEDUCTION
- ६) JUSTICE
- ७) ANNOUNCER
- ८) PROCEDURE

विभाग - ५ (व्याकरण)

- कृति ५अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (किन्हीं दो) 2
- १) मैं पता लगाकर आता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल में बदलिए)
 - २) मौसी कुछ नहीं बोल रही थी। (अपूर्ण वर्तमानकाल में बदलिए)
 - ३) प्रकाश उसमें समा जाता है। (सामान्य भूतकाल में बदलिए)
- आ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकारों के नाम पहचानकर लिखिए। (किन्हीं दो) 2
- १) राधा वदन चंद सो सुंदर।
 - २) सबै सहायक सबल कै, कोउ न निबल सहाय।
पवन जगावत आग ही, दीपहिं देत बुझाय॥
 - ३) पड़ी अचानक नदी अपार।
घोड़ा उतरे कैसे पार॥
राणा ने सोचा इस पार।
तब तक चेतक था उस पार॥
- इ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए। (किन्हीं दो) 2
- १) तू दयालु दीन हौ, तू दानि हौं भिखारि।
हौं प्रसिद्ध पातली, तू पाप पुंजहारी॥
 - २) कहत, नहत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात,
भरे भौन में करत हैं, नैननु ही सौं बात॥
 - ३) एक अचंभा देखा रे भाई,
ठाढ़ा सिंह चरावै गाई।
पहले पूत पाछे भाई,
चेला के गुरु लागे पाई॥
- ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए। (किन्हीं दो) 2
- १) दिन दूना रात चौगुना बढ़ना।
 - २) घाट-घाट का पानी पिया होना।
 - ३) पत्थर की लकीर होना।
- उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए। (किन्हीं दो) 2
- १) उसमें फुल बिछा दें।
 - २) चलते-चलते हमारे बीच का अंतर कम हो गया था।
 - ३) अतिथि आए है, घर में सामान नही है।
